

आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक सत्ताईस
अक्टूबर-दिसम्बर 2007

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
अरुण कमल

सहसम्पादक
आर. चेतनक्रान्ति

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājākamala Prakāśana Prāiveta li
OCLC: 4094931
No. 27 (Oct-Dec 2007)
TOC Provided by Center for Research Libraries

अनुक्रम

संपादकीय : प्रणाम 5

त्रिलोचन : नमन

मेरी पहली कविता पुस्तक : त्रिलोचन 7

वतर्ज त्रिलोचन : भगवान सिंह 10

भगवत रावत की कविता 12

महाभारत : रचनाओं का स्रोत : प्रभाकर श्रोत्रिय 16

प्रेमचन्द, प्रसाद और निराला के रचना-संसार में गांधी : श्रीभगवान सिंह 22

उपभोक्ता संस्कृति के इस दौर में नज़ीर और हबीब का 'आगरा बाज़ार' : पवन कुमार 33

1857 जारी...

तेटी और कमल : रामकृष्ण श्रीवास्तव 37

एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी 41

कवियों के उत्तर जीवन : कुछ नोट्स : विजय कुमार 47

शताब्दी

पूरन दा : याद आते हो तुम आज : पी.सी. जोशी 54

उर्वशी : काव्य की संस्कृति और संस्कृति का काव्य : नंदकिशोर नवल 58

उर्वशी : मूल्यांकन की समस्या : खगेन्द्र ठाकुर 73

स्मृति

विनय दुबे की कविताएँ 83

विनय दुबे की कविताओं पर शायद एक टिप्पणी : राजेन्द्र शर्मा 86

मूल्यांकन

- कविता में गुणनिर्णय : दिनेश कुमार शुक्ल 90
ऋतुराज की आशा नाम नदी : रेवती रमण 95
राजेश जोशी की कविता-वर्तनी : नरेश चन्द्रकर 99
रात-पाली : स्याह रोशनार्ई का उजास : भृगुनन्दन त्रिपाठी 105
अभी-अभी जनमा है कवि : अपूर्वानन्द 108
आलोचना : पहचान का संकट : तरुण कुमार 112
तहजीब के पास घोड़े नहीं थे, हिनहिनाते कैसे : कृष्णमोहन 117